ESTD : 1954

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन

मासिक

समाचार पत्रिका

संपादक : एच. एल. खन्ना केवल सदस्यों के लिए निःशुल्क वितरण हेतु अंक: फरवरी 2023

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन ने मनाया प्रिंटर्स डे

आर्य अनाथालय में 24 फरवरी 2023 को प्रिंटर्स दिवस के अवसर पर डीपीए कार्यकारिणी का लिया गया समूह चित्र

प्रिटिंग क्रांति के जनक माने जाने वाले जर्मनी के जोहनस गुटेनबर्ग के जन्म दिवस को प्रिंटर्स दिवस के रूप में डीपीए कई वर्षों से मनाता रहा है, जिसमें वह समाज के वंचित वर्ग के लिए दोपहर का भोजन कराने का आयोजन करता है। इस बार दरियागंज स्थित आर्य अनाथालय के छात्र–छात्राओं को दोपहर का भोजन कार्यकारिणी और अन्य सदस्यों ने अपने हाथ से परोस कर कराया। इस तरह के आयोजन के लिए डीपीए की सराहना की जाती है। समाज के हर वर्ग को ऐसे परोपकारी आयोजन से प्रेरणा मिलती है।

FALCON
VACUUM PUMPS

D LV 1000 C DV
For Komori Offset

D LV 1000 C DVVL
For Heidelberg Double Color

Manufactured, Sold & Serviced by :
FALCON VACUUM PUMPS & SYSTEMS
Office: 98, Ram Saroop Industrial Complex,
Mujessar, Faridabad - 121005, Haryana (INDIA)
Works: Plot No. 151, Sector-24,
Faridabad - 121 005, Haryana (INDIA)
Phone : +91-129-4022837, 4026023
E-mail : info@falconpumps.com
Website : www.falconpumps.com

ESTD : 1954

PRESIDENT
Mr. Atul Goel
Mobile : 9810003943
Imm. Former President
Mr. Sunil Jain
Mobile :9810280120
VICE PRESIDENTS
Mr. Ajay Sharma
Mobile : 7290014839
Mr. Deepak Bhatia
Mobile : 7701871918
Mr. Prashant Aggarwal
Mobile : 9971214455

HON. GENERAL SECRETARY
Mr. Prakash Dass
Mobile : 9818724948

JOINT-SECRETARIES
Mr. Ashok Kumar Nandra
Mobile : 9250055555
Mr. Sandeep Aggarwal
Mobile : 9811040044
TREASURER
Mr. Puneet Talwar
Mobile : 9811081291

EXECUTIVE COMMITTEE MEMBERS
Mr. Ashish Verma
Mobile : 9350984666
Mr. Ashok Aggarwal
Mobile : 9810064038
Mr. Chander Mohan
Mobile : 9811011227
Mr. Kartar Manhas
Mobile : 9313286774
Mr. M. N. Pandey
Mobile : 9811089829
Mr. P. K. Chauhan
Mobile : 9899094076
Mr. Puneet Bajaj
Mobile : 9953322396
Mr. Raghu Nandan Sharma
Mobile : 9811481282
Mr. Rakesh Malik
Mobile : 9810621069
Mr. S. S. Lunkar
Mobile : 8383919260
Mr. Sanjay Sharma
Mobile : 9810643710
Mr. Shiv Dutt Sharma
Mobile : 9810521935
Mr. Simranjot Singh
Mobile : 9990000270
Mr. Sunil Jain
Mobile : 9999769787
Mr. Veenu Gupta
Mobile : 9810086716
Mr. Vijay Goel
Mobile : 9818321000
Mr. Vijay Jain
Mobile : 9811083737
Mr. Vikas Gaur
Mobile : 9871155294
Mr. Vivek Jain
Mobile : 9810277339
Mr. Vivek Singhal
Mobile : 9899994806

EXECUTIVE SECRETARY
Mr. H. L. Khanna
Mobile : 99580-43222
OFFICE SECRETARY
Sujith S.

Delhi Printers' Association
Flat No.26A, Shankar Market,
Connaught Circus,
New Delhi-110 001.
Phones: 23414415, 23412574
E-mail: delhiprintersassociation@gmail.com; delhiprinter@hotmail.com

MAGNUS Q800 - Fastest Platesetter by Kodak

In its bid to make world's fastest Platesetter, Kodak has introduced the high-performance KODAK MAGNUS Q800 Platesetter by increasing the speed once again with T-speed Plus, offering a throughput of up to 84 B1 or 8-up plates per hour (pph). Earlier, Kodak had introduced the T-speed, then the world's fastest 8-up CTP system, about two years ago.

The MAGNUS Q800 Platesetter can now output a plate every 42.9 seconds. This marks Kodak's third speed upgrade for the MAGNUS Q800 in four years, with more than 40% speed improvement over the former Z-Speed from 2018.

The MAGNUS Q800 Platesetter can also image KODAK SONORA XTRA Process Free Plates at its new top speed. The upgraded CTP device helps sheetfed and web offset printers to further maximize the productivity of their offset workflows. All automation options available for the MAGNUS Q800 Platesetter, including the Single-Pallet Loader (SPL), Multi-Pallet Loader (MPL) and Multi-Cassette Unit (MCU), support the new speed. In view of the new platesetter speed upgrade, it is of great advantage that the Multi-Pallet Loader can hold up to 3,200 plates in up to four different plate sizes – two pallets of 1,500 plates each and two cassettes of 100 plates each. Also helpful for long operating times without manual intervention is the recently implemented 40% increase in the capacity of the slip sheet removal system for the SPL/MPL.

"We are excited that we have been able to make the world's fastest CTP system even faster. This is further evidence that Kodak continues to bring solutions to market that enable our customers in the printing industry become more competitive and profitable through greater efficiency and productivity," commented Jeff Zellmer, Vice President, Global Sales & Strategy, Kodak.

The MAGNUS Q800 Platesetter with T-Speed Plus is now available worldwide. Customers already equipped with MAGNUS Q800 Platesetters can get them upgraded on site with the new top speed.

DPA condoles the demise of

Mrs. Kanta Goel mother of Mr. Lalit Goel of India Binding House

वर्ष 2022–2023 के वार्षिक शुल्क के लिए सदस्यों से अनुरोध

जिन सदस्यों ने अपना वर्ष 2022–2023 का वार्षिक शुल्क अभी तक नहीं भेजा है उन्हें याद दिलाया जा रहा है कि अपना शुल्क स्वयं/कोरियर/डाक द्वारा शीघ्रअतिशीघ्र भेजने की कृपा करें। कुछ सदस्य ऐसे भी हैं जिनका वार्षिक शुल्क 2021–2022 का भी नहीं आया है, उन्हें फिर याद दिलाया जाता है कि लगातार दो वर्ष तक वार्षिक शुल्क न आने पर एसोसिएशन की सदस्यता स्वयं समाप्त हो जाती है।

यदि आप वार्षिक चंदा बैंक में सीधे जमा करना चाहते हैं तो संस्था के निम्नलिखित दो बैंक खातों में से किसी में भी जमा करवा सकते हैं तथा जमा करने के बाद संस्था को सूचित कर दें। बैंक का विवरण इस प्रकार है:

Delhi Printers' Association
Saving A/c No. 90042010031370
IFSC Code- CNRB0002009
Bank Name - Canara Bank

Delhi Printers' Association
OD A/C No.020700845501
IFSC Code-HDFC0CTJCBL
Bank Name-The Janata
Co-Operative Bank Ltd.

RAGHUNANDAN SHARMA
Mob. : 9811481282

HOUSE OF QUALITY OFFSET PRINTING

PRINT LINK

WORKS : PLOT NO.E-21, SECTOR A-5/6, TRONICA CITY,
LONI , GHAZIABAD , UTTAR PRADESH-201 103

अध्यक्ष की कलम से

पिछले कुछ माह से इंग्लिश के एक पॉपुलर दैनिक समाचार पत्र में 'प्रिन्ट' माध्यम के महत्व को लगभग प्रत्येक सप्ताह आधे पृष्ठ के बड़े-बड़े विज्ञापन के रूप में छाप कर दर्शाया जाता रहा है। प्रिन्ट की पावर को समझने के लिए इन संदेशों में लिखा गया "Print doesn't let you forget. Here's the proof" एवं "When print talks, the brain remembers" साथ ही एक हिन्दी दैनिक में छपे समाचार के अनुसार विदेशों में हुई शोधों के फलस्वरूप मालूम हुआ कि कम्प्यूटर व मोबाइल फोन की स्क्रीन पर चाहे दुनिया भर का डिजिटल कंटेंट उपलब्ध हो किंतु आपका दिमाग इसे उस तरह नहीं पढ़ पाएगा जैसा वो प्रिन्ट में छपी बात को पढ़ता है। पेपर में छपी सामग्री और विज्ञापन इंसानी दिमाग में आसानी से कनेक्ट हो पाते हैं। दूसरों शब्दों में, यदि कोई वस्तु आपके सामने मौजूद हो उसे दिमाग जल्दी पकड़ता है, यह याददाश्त से अच्छे से जुड़ पाता है और यही ब्रैंड से जुड़ने के लिए जरूरी होता है।

पेपर पर की गयी छपाई के मुकाबले डिजिटल ई-रीडिंग में अनेकों कमियां एवं अंतर पाये गये। आज से लगभग एक दशक पूर्व ई-रीडिंग का चलन होने लगा तो मुद्रण उद्योग को आशंका होनी लगी कि अब शीघ्र ही पुस्तकों तथा अन्य पठनीय सामग्री की छपाई एवं बिक्री का अंत हो जायेगा किंतु भाग्यवश ऐसा हुआ नहीं यद्यपि विभिन्न ऐप्स के आ जाने से उपन्यास, कथा-कहानियों आदि अन्य ज्ञानवर्धक पुस्तकों की छपाई और मांग पर गाज गिरी। प्रिन्ट मीडिया, जैसे समाचार-पत्र, पत्रिकाएं, रेडियो, टेलिविजन आदि, सबसे पुराना तथा मूल रूप से जन-संचार का माध्यम है। किसी भी ब्रैंड की सहज जानकारी एवं बिक्री के लिए छापी गयी सामग्री की भूमिका न केवल ग्राहक व उत्पादक के बीच संबंध गहराती है, अपितु उस उत्पाद की साख भी बढ़ाती है।

आज जब कि हम तेज़ी से विकसित हो रहे डिजिटल संसार में जी रहे हैं, हम देख रहे हैं कि प्रिन्ट मीडिया का रोल आज भी मार्केटिंग क्षेत्र में बरकरार है। अत: अपने लक्षित ग्राहकों तक अपने उत्पाद की विशेष छाप छोड़ने के लिए छोटे-बड़े विक्रेता प्रिन्ट मीडिया का उपयोग कर रहे हैं, उन्हें विश्वास है कि छापे गये विज्ञापन की पकड़ डिजिटल संदेश के प्रभाव से कहीं अधिक है। वेबपेज के मुकाबले छापे हुए विज्ञापन की लाइफ भी लम्बी होती है।

इन तथ्यों के आधार पर हम कह सकते हैं कि प्रिन्टेड वर्ड की अहमियत आज भी कायम है। अत: मुद्रण उद्योग का भविष्य सुरक्षित होगा।

-अतुल गोयल, अध्यक्ष

महासचिव की कलम से

आम तौर पर फरवरी माह के शुरू के दिनों में तगड़ी ठंड एवं धना कोहरा छाया रहता है किंतु इस वर्ष ऐसा मौसम बहुत कम दिन रहा। सन् 2016 के बाद वायु प्रदूषण भी काफी कम रहा, जबकि यमुना नदी में प्रदूषण की मात्रा बढ़ती रही।

हर वर्ष की भांति दिल्ली प्रिन्टर्स एसोसियेशन ने इस वर्ष का 'प्रिंटर्स डे' 24 फरवरी को दरियागंज स्थित आर्य अनाथालय के सभी छात्र-छात्राओं को भोजन करा कर मनाया। इस फंक्शन की विस्तृत जानकारी चित्रों के साथ इसी अंक में छापी जा रही है। डीपीए द्वारा आयोजित इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक कार्यों को काफी सराहा जाता है।

लगभग सभी सदस्य जानते हैं कि आजकल फैक्ट्री लाइसेंस ऑनलाइन बनाये जाते हैं और हर वर्ष की पहली अप्रैल से ऑनलाइन ही रिन्यू करवाने होते हैं। दिल्ली के तीनों नगर निगमों के विलय होकर फिर से एक निगम बन जाने के बाद उसकी वर्किंग में स्थिरता न हो पाने के कारण लाइसेंस रिन्यूअल की फीस तय नहीं हो पायी है। फिर भी जिन सदस्यों ने रिन्यूअल के लिये अप्लाई नहीं किया है वे समय सीमा के भीतर करवा लें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि नया लाइसेंस हाथ में न होने की स्थिति में भी जाँच होने के समय बताया जा सके कि लाइसेंस रिन्यूअल अप्लाई किया हुआ है। अत: चालान होने से बचा जा सकता है। जैसा कि हम सदस्यों को बार-बार याद दिलाते रहते हैं, सभी मुद्रण ईकाइयों को अपनी प्रैस से निकले तथाकथित 'हैज़र्डस वेस्ट' को निर्धारित ड्रम में स्टोर करने के साथ-साथ उसका रोजाना का रिकॉर्ड लिखित में रखते रहें। दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमेटी के नवीनतम निर्देशों के अनुसार मुद्रकों को चाहिए कि वे रिकॉर्ड बनाकर रखें कि 31 मार्च 2023 तक उन्होंने कितना टोटल वेस्ट ड्रम में स्टोर किया तथा उसमें से कितना वेस्ट डिसपोजल के लिये बाहर भेजा। किसी भी प्रकार के जुर्माने से बचने के लिये यह रिकॉर्ड अत्यन्त आवश्यक है। उसके बाद 1.4.2023 से 30.6.2023 तक का यह रिकॉर्ड फार्म-4 में भरकर डीपीसीसी कार्यालय में जमा करवा दें ताकि किसी भी प्रकार की संबंधित परेशानी से बचा जा सके।

सदस्य नोट करें कि हाल ही में डीपीसीसी ने वेस्ट हैन्डलिंग व डिस्पोजल के लिये एक नए संस्थान-Re Sustainability IWM Limited in Sector 5, DSIIDC Bawana Industrial Area, Delhi-110039- को नियुक्त किया है जिसे सदस्य अपना वेस्ट डिस्पोजल के लिए दे सकते हैं। फिर भी किसी सदस्य को कोई समस्या आ रही है तो वे डीपीए आफिस से संपर्क कर लें ताकि उचित समाधान सुझाया जा सके।

-प्रकाश दास , महासचिव

SARTHAK ENTERPRISES

SARTHAK ENTERPRISES

Mobile: 9999559955, 9999958200, 9811481000 Authorised Distributors of JK PAPER LTD

JK PRODUCTS:

Endura Ultima Ivory Parchment Excel Bond Copier Ledger

JK PAPER

Importers of: Moorim Art Paper Nevia Art Board Impressions 2000 Carbonless Golden Coin Digital Paper Paper One Inkjet DO Arcadia Cast Coated Paper

Calendar of Events

The March edition of Media Expo at Mumbai will mark the golden jubilee edition and the completion of 20 glorious years of the industry's favourite show. The grand edition will showcase the robust legacy of Media Expo setting the tone for the applications of the future.
Date:2-4 March, 2023
Venue: Bombay Exhibition Ground, Mumbai
Organiser: Messe Frankfurt Trade Fairs India Pvt. Ltd. Mumbai-93
Contact: 022-61445962
email: namita.potdar@india.messefrankfurt.com

Print & Pack World Expo-2023 will have a special focus on the integration of processes in Printing and packaging and its supply chain as this will eventually lead India to a Printing and Packaging hub.
Date: 26-29 May, 2023
Venue: Palace Ground, Bengaluru
Organiser: Triune Exhibitors Pvt. Ltd., Bangalore-560062
Tel: 8860688861
Email: abhishek@tepl.net

Sign India 2023 is a meeting ground for manufacturers, importers,traders, distributors, converters and end- users in the sign industry.
Date: 2-4 June, 2023
Venue: Chennai Trade Centre
Organiser: Business Live, Chennai
Contact:9940075606/ 9940075609
Email:
info@signindiaexpo.com

One of the leading exhibitions of the screen printing and allied industries, by showcasing latest products and technologies.

Date: 3-5 August, 2023
Venue: Pragati Maidan, New Delhi
Organiser: Messe Frankfurt Trade Fairs India Pvt Ltd.,
Tel: 011-6676 2300
Email: info@india.messefrankfurt.com

PackPlus is India's biggest event for packaging, converting and supply chain. Over the years, PackPlus has established itself as a great business conducting platform for the packaging industry in India.
Date:10-12 August, 2023
Venue: Pragati Maidan, New Delhi
Organiser: Reed Exhibitions India
Tel: 7827855273
Email:
arun.singh@rxglobal.com

Media Expo is India's largest international trade exhibition on indoor and outdoor advertising and signage solutions. It will be bringing together the best in indoor/outdoor advertising solutions, printing technology, branded merchandise, and the signage industry under one roof.
Date: 14-16 September, 2023
Venue: India Expo Centre, Greater Noida
Organiser: Messe Frankfurt Trade Fairs India Pvt. Ltd. Mumbai-93
Contact: 022-61445962

SCREENTEX India is an international tradeshow on-screen, digital, textile, printed electronics, UV & sublimation printing technology. Exhibited content includes screen & textile printing machinery & materials, digital printing & materials, UV & sublimation printing, and printed electronics, and many more.
Date: 7-9 October, 2023
Venue: Bombay Exhibition Centre
Organiser: Screen Printers Association
Contact: 9867978998 email: jignesh@screentex.in

Paperex is an internationally renowned series of exhibitions and conferences focusing on Paper, Pulp and all Allied Industries. A comprehensive business platform serving the paper industry and over the years.
Date: 6-9 December, 2023
Venue: India Expo Centre, Greater Noida
Organiser: Hyve India Private Limited, New Delhi-110001
Tel: 011-26447591
Email: gagan.sahni@hyve.group

NARSINGH & COMPANY
HO: 2241/36, 1st Floor, Kucha Challan, Daryaganj, New Delhi -110002
Phone: 011-23280705, 23269068
Mobile No: 9313515899, 9650453034, 9555707274,
Email: narsinghgraphic@hotmail.com; sagar.screen147@gmail.com

SAGAR SCREEN
HO: 3601, Gali Hakim Bua wali, Shyam Bhawan, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi -110002
Phone: 011-23265826, 23269068
Mobile No: 9555707274, 9313515899, 9650453034,
Email: sagar.screen147@gmail.com

KHUSHI RAM & SONS
G-147 (Basement), Sector-63, Noida -201301 (U.P.)Phone: 0120-2406271 / 72
Mob: 9313515899, 9555707274,
Email: khushiramsons148@gmail.com: narsinghgraphic@hotmail.com; sagar.screen147@gmail.com

BO: Plot No. 242,Patparganj Indl. Area, Delhi-110092, Ph.:011-45585304, Mob.: 9313515899, 9555707274, 9971685304

AUTHORIZED DEALER : Hubergroup India Pvt. Ltd., Siegwerk India Pvt. Ltd, Zenith Rubber Limited, Fujikura Rubber, Blankets, KRS Royal Green Blankets, Technova Inkjet Media, Technova Plates & Chemicals. **STOCKIST:** Damping Hose, Glass Balls, KRS Royal Green Blankets, Rubber Blankets (Fujikura, Cow & Valcon Reavees, Sawa, etc), Loyee, Graphic Art Films (Fuji)Tapes (Panfix, Comat, Classic) Arabic Gum & Machine Gum and other offset processing & Printing materials, STC Chemicals, Carbon Rod, Astolen Sheet, etc.

डीपीए ने मनाया प्रिंटर दिवस–2023

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन हर साल 24 फरवरी को मुद्रण कला के जनक जोहनस गुटेनबर्ग की जयंती मनाने के लिए प्रिंटर दिवस मनाता है, जिनका जन्म 16वीं शताब्दी में जर्मनी में हुआ था। यह अवसर मानव जाति के इतिहास में सबसे महान आविष्कारों में से एक है, जिसे प्रिंटिंग कहा जाता है, जो ज्ञान फैलाता है और मानवता को शिक्षा प्रदान करता है।

इस वर्ष डीपीए का प्रिंटर दिवस 24 फरवरी को मध्य दिल्ली के प्रसिद्ध आर्य अनाथालय दरियागंज नई दिल्ली में मनाया गया। कार्यक्रम के लिए अनाथालय प्रबंधन ने सभी जरूरी इंतजाम कर लिए थे।

दोपहर 1.30 बजे उनकी कक्षाएं समाप्त होने के तुरंत बाद शिक्षकों ने छात्रों को उनके भोजन के लिए लाइन में खड़ा कर दिया। डीपीए के कई पूर्व अध्यक्षों, पदाधिकारियों और कार्यकारिणी के सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से एक-एक करके छात्रों को भोजन की विभिन्न वस्तुओं का वितरण किया। अपने भोजन के साथ छात्र चटाइयों की लंबी कतारों पर बैठे और खाने से पहले सामूहिक रूप से प्रार्थना की। छात्रों को भोजन का आनंद लेते हुए देखना एक बहुत अच्छा दृश्य था। बाद में, डीपीए के कुछ सामान्य सदस्यों के साथ, पूर्व अध्यक्षों, पदाधिकारियों, कार्यकारिणी के सदस्यों और कर्मचारियों ने भी दोपहर का भोजन किया।

समारोह का समापन राष्ट्रगान के गायन के साथ हुआ।

RAVE ROLLERS

RAVE RUBBER ROLLERS

WE ARE LEADING RUBBER ROLLER SUPPLIER

- Printing Rubber Rollers
- Copper Rollers
- U.V. Rollers
- Plastic Riders
- Hard Chrome Rollers
- Combi Rollers
- Ebonite Rollers
- Alcohol Damping Rollers
- Polyurethene Rollers
- Hypolone Rubbers For Thermo Lamination

B-71/3, Mayapuri Indl. Area, Phase-I, New Delhi-110 064
Contact: Mr. Devender Kumar: 9810053777, 9811287297
E-mail: raverubberrollers@yahoo.com www: raverubberrollers.com

DRUPA-2024 - A BOON FOR GLOBAL PRINT AND PACKAGING SECTOR

Although Drupa-2024 is due to be held in Düsseldorf from May 28 next year, the trade fair has already achieved a new milestone with bookings of over 100,000 sqm of net exhibition space by 900 exhibitors from 45 ccuntries. This proves Drupa holds its well-earned position as world's No.1 trade show of the state-of-the-art print technologies.

According to the organisers Messe Düsseldorf, from renowned global players to upcoming new entrants – the list of registered exhibitors is impressive and reads like the 'Who's Who' of the print and packaging industry along the complete value chain. Well-known and longstanding exhibitors like Bobst, Comexi, Duplo, EFI, Epson, ESKO, Fujifilm, Heidelberg, Horizon, Koenig & Bauer, Kolbus, Komori, Konica Minolta, KURZ, Landa, Müller Martini, Screen, Windmöller & Hölscher, to name but a few, have registered and will be showcasing their innovations, technology trends, product portfolios and global launches in Düsseldorf from 28 May to 7 June 2024. So, participants can look forward to a unique customer journey because complex, automated workflows, processes and new machinery will again be presented in operation. An overview of all exhibitors registered so far is available at www.drupa.com.

Even now, after the official deadline for registrations at the end of October, Messe Düsseldorf continues to register a strong demand for exhibition space, which can still be accommodated. At present, Germany is again the strongest exhibiting nation among the top 10 followed by such countries as Belgium, China, India, Italy, Japan, the Netherlands, Spain, Switzerland, Turkey, the United Kingdom and the USA.

"Current booking levels and the positive verdict received by exhibitors make us very confident and optimistic – despite the geopolitical and economic challenges – that drupa 2024 will again be the world's most important industry meeting place," confirms Sabine Geldermann, Director Drupa, Portfolio Print Technologies Messe Düsseldorf, and adds: "With around 75% international attendance on the exhibitor side, drupa occupies an outstanding position by global standards. The range, variety and staging of innovations are unique and will once again provide a glimpse into the future of this industry. With ideal prerequisites for exhibitors and visitors to network intensely and drive forward-looking projects."

The in-depth knowledge transfer and interaction with experts from all over the world on the impacts of global mega-trends and the associated new business models as well as opportunities for the sector will be in focus there. Special forums like the Drupa Cube (conference area), Drupa next age (dna), the exhibition area for Newcomers, Startups, Young Talents alongside long-established exhibitors of cross-sectoral technologies as well as the touchpoint 'packaging' for visionary and smart packaging solutions, the touchpoint 'textile' including the installation of a textile micro-factory, and the touchpoint 'sustainability', which is dedicated to sustainability and circular economy themes, all provide highly relevant and valuable insights into tomorrow's high-potential themes at the event. With its agenda, Drupa hits the tempo of the time and reflects an industry that is highly creative and constantly taps into new vertical markets in the field of industrial and functional applications and solutions – thereby bearing witness to its high degree of future proofness.

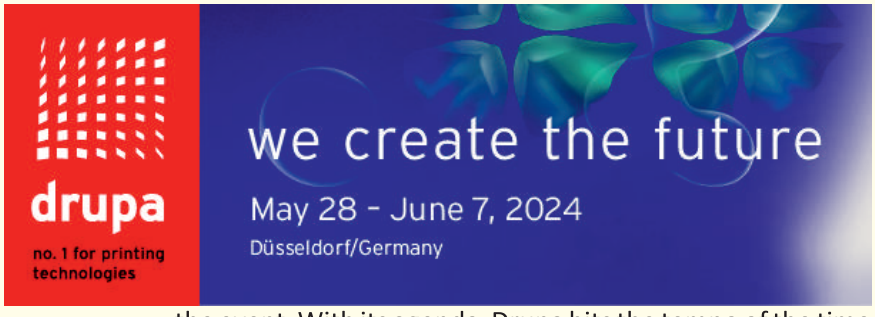

In addition to this, the Drupa blog - https://blog.drupa.com - allows visitors to take a glance at industry trends, solutions and inspiring best cases from throughout the world. Furthermore, all interested parties are recommended to subscribe to the drupa Newsletter at https://www.drupa.com/en/Home/Newsletter featuring exciting news and stories from the Drupa blog plus the latest news related to Drupa in Düsseldorf and the international trade fairs forming part of the Drupa Global Portfolio. More information will be published as and when received.

3-Knife Trimmer

Essential cutting machine for printing presses
For Trimming of hard and soft cover books

For Demo & Details Call 9810160122

PRAMOD ENGINEERING
Delhi Press Bldg., E-3, Rani Jhansi Road, Jhandewala Estate. New Delhi-110055, INDIA
Ping: ceo@pewbindery.in

www.pewbindery.in for details

Center Stitcher | Autofeeder | Side Gathering | Web Stacker | Paper Drilling

Need Distributors for all regions in India, Africa, Europe & Latin America

चमत्कारी हल्दी के फायदे बहुत!

हल्दी, सेहत के लिये कितनी फायदेमंद है, इसका अनुमान आप इसी बात से लगा सकते हैं कि 90 के दशक में अमेरिका की यूनीवर्सिटी ऑफ मिसीसिपी मेडकल सेन्टर ने इसका पेटेंट अपने नाम करा लिया था। तब भारत सरकार ने इसके खिलाफ मुकदमा किया, और भला हो अमेरिका की न्यायपालिका का जिन्होंने निष्पक्ष फैसला दिया कि हल्दी के औषधीय गुणों की खोज दुनिया में सबसे पहले भारत में ही हुई थी। वह भी उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर आज से लगभग ढाई हजार साल पहले।

हल्दी पर हुए शोधों से पता चला है कि यह हमारे शरीर और दिमाग के लिये चमत्कारी रूप से लाभदायक है, इसमें करक्यूमिनॉयड कम्पाउंड होते हैं, जिसका सबसे एक्टिव इन्ग्रेडियेंट है करक्यूमिन, जो न केवल एंटी-इन्लेमेटरी है बल्कि जबरजस्त एंटी ऑक्सीडेंट भी।

सरल शब्दों में, एंटी-इन्लेमेटरी गुणों के कारण हल्दी, शरीर की सूजन कम करती है चाहे वो चोट से हो, इन्फेक्शन से हो या एलर्जी से। अंदरूनी हो या बाहरी, हल्दी से सभी तरह की सूजन ठीक।

कैंसर से बचाती है

एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों की वजह से ये ऑक्सीडेशन से शरीर में बने डेड सेल्स यानी फ्री रेडिकल्स बाहर निकाल कर हमें कैंसर से बचाती है। रिसर्च से सामने आया है कि हल्दी, शरीर में मौजूद कैंसरस सेल्स मारती है, टड्यूमर में नयी ब्लड वेसल्स बनना रोकती है और मेटासिस रिडयूसिंग पॉवर की वजह से कैंसर को फैलने से रोकती है। यानी रोज के खाने में चम्मच भर हल्दी और कैंसर से बचाव पक्का।

कहां की हल्दी सबसे अच्छी

हल्दी का एक्टिव कम्पाउंड, करक्यूमिन जो हमें कैंसर से बचाता है, उसकी मात्रा अलग-अलग राज्यों में पैदा हल्दी में अलग-अलग होती है। जो औसतन चार प्रतिशत है। हल्दी में करक्यूमिन जितना ज्यादा होगा, उतना ही फायदेमंद। आपको पता है, दुनिया की 80 प्रतिशत हल्दी हमारे देश में होती है। और औषधीय गुणों यानी करक्यूमिन से भरपूर हल्दी होती है मेघालय में। जिसका नाम है लाकाडांग। इसमें 11 प्रतिशत करक्यूमिन होता है। यानी रोज एक छोटा चम्मच लाकाडांग हल्दी सोते समय गरम दूध में पीने का मतलब है कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से सुरक्षा।

हल्दी-काली मिर्च का गठजोड़ फायदेमंद

याद रखें, हल्दी का एक्टिव इन्ग्रेडियेंट करक्यूमिन, शरीर में मुश्किल से एब्जार्ब होता है यानी हम जितनी हल्दी खाते हैं उसका 3 प्रतिशत ही शरीर में लगता है। ऐसे में क्या किया जाये जिससे हल्दी का पूरा लाभ मिले। तो इसका जबाब है काली मिर्च।

रिसर्च से पता चला है कि काली मिर्च का मेन इंन्ग्रेडियेंट पेपरीन, शरीर की करक्यूमिन एब्जॉर्ब करने की क्षमता को 2000 गुना बढ़ा देता है। अगर हल्दी के औषधीय गुणों का पूरा लाभ लेना है तो साथ में किसी न किसी रूप में काली मिर्च का सेवन जरूर करें।

हल्दी के साथ घी-तेल जरूरी

एक बात और, करक्यूमिन, फैट सॉल्यूबल है यानी तेल या घी में घुलने वाला। फैट में घुले करक्यूमिन को शरीर आसानी से पचा लेता है, इसलिये अगर खाने में हल्दी है, तो घी-तेल भी होना जरूरी है।

दिल की बीमारियों में लाभकारी

वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि हल्दी का सेवन दिल की बीमारियों में बहुत फायदा करता है, कारण इसके सूजन कम करने वाले गुण। नसों की इंडोथेलियल लाइनिंग में क्रोनिक और मल्टीलेयर्ड सूजन से सकरापन आता है जिससे दिल और दूसरे ऑर्गन्स तक में जरूरी मात्रा में ब्लड सप्लाई नहीं हो पाती। रिजल्ट हार्ट अटैक और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों का खतरा। हल्दी का नियमित सेवन इनका रिस्क कम करके, हार्ट को स्वस्थ रखता है।

दिमाग को तेज करती है हल्दी

ब्रेन डेवलपमेंट में हल्दी की भूमिका पर हुए शोध से पता चला कि इसमें मौजूद करक्यूमिन, दिमाग में न्यूरॉन्स निर्माण के लिये जरूरी हारमोन BDNF बूस्ट करता है। BDNF से न्यूरॉन्स का जीवन काल बढ़ाने वाला प्रोटीन बनता है, जिससे हमारी लॉजिकल ढंग से सोचने समझने की क्षमता बढ़ने के साथ याद्दाश्त तेज होती है और डिमेन्सिया तथा एल्जाइमर जैसी डिजेनरेटिव बीमारियों का रिस्क घटता है।

रिसर्च से पता चला है कि करक्यूमिन, बहुत अच्छा एंटी-डिप्रेसेन्ट है जो डिप्रेशन दूर करता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि डिप्रेशन से दिमाग में BDNF हारमोन का लेवल कम हो जाता है, जब हम हल्दी खाते हैं तो इसमें सुधार के साथ सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे ब्रेन न्यूरोट्रांसमीटर बूस्ट होते हैं, जिससे डिप्रेशन दूर होने लगता है।

जोड़ों के दर्द में बेजोड़

हल्दी, ऑर्थराइटिस यानी जोड़ों के दर्द में बहुत लाभकारी है। इससे सूजन तो कम होती ही है साथ ही दर्द में भी आराम मिलता है। शोध से सामने आया है कि एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुणों की वजह से करक्यूमिन, रियूमेटॉइड आर्थराइटिस के इलाज में किसी भी दूसरी दवा से ज्यादा फायदेमंद है।

एंटी एजिंग गुणों से भरपूर

वैज्ञानिकों के मुताबिक हल्दी में मौजूद करक्यूमिन एंटी-एजिंग है, यह बुढ़ापा तो रोकता ही है साथ ही एज रिलेटेड बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। कैंसर, हार्ट डिसीस, डिमेन्सिया और एल्जमाइर जैसी बीमारियों का रिस्क कम करने में इसकी उपयोगिता सिद्ध है। इसलिये खाने में हल्दी की मात्रा बढ़ायें, इससे फायदा ही फायदा है, नुकसान कोई नहीं।

हल्दी के बारे में गहराई से सोचे, यह महज मसाला नहीं है बल्कि संस्कृति का प्रतीक भी। हमारे हर शुभ काम में हल्दी, इसके बिना हर खुशी अधूरी। शादी में हल्दी, पूजा-पाठ में हल्दी, खाने में हल्दी और हमारी सेहत का राज भी हल्दी।

"Trusted Name In Used Offset Machine Business Since 1992"

BHAVIN B. JOSHI

Siddhi Enterprise

10, Indrabaug Society, Near Panchshil Bus- Stop, Usmanpura,
Ahmedabad-13, Guiarat, India, Mob.: + 919427030312, + 918141198961
Email: pressoffset@yahoo. com

भारत में मुद्रण की दुनिया

मुद्रण तकनीक के आने से पहले भारत में हस्तलिखित किताबों की पुरानी परंपरा रही है। इन किताबों को ताड़ के पत्तों या हाथ से बने कागज पर लिखा जाता था। लेकिन पांडुलिपी तैयार करने में बहुत मेहनत और समय लगता था। इसलिए ये किताबें आम जनमानस की पहुँच से दूर होती थीं।

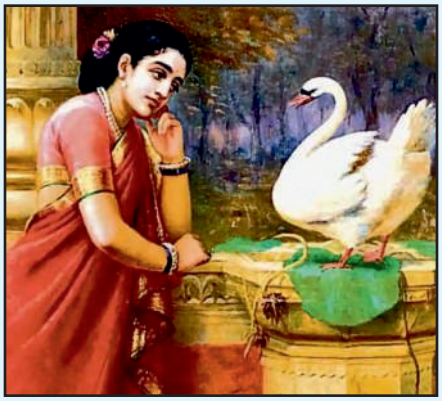

भारत में प्रिंटिंग प्रेस को सबसे पहले सोलहवीं सदी के मध्य में पुर्तगाली धर्मप्रचारक लेकर आये थे। भारत में छपने वाली पहली किताबें कोंकणी भाषा में थी। 1674 तक कोंकणी और कन्नड़ भाषाओं में लगभग 50 किताबें छप चुकी थीं। तमिल भाषा की पहली पुस्तक कैथोलिक पादरियों द्वारा कोचीन में 1759 में छापी गई। कैथोलिक पादरियों ने मलयालय भाषा की पहली पुस्तक को 1713 में छापा था। जेम्स ऑगस्टस हिकी ने 1780 से एक साप्ताहिक पत्रिका बंगाल गैजेट को संपादित करना शुरु किया। बंगाल गैजेट अपने आप को स्वतंत्र पत्रिका बताने में गर्व महसूस करता था। उस पत्रिका में ईस्ट इंडिया कम्पनी की आलोचना होती थी और कम्पनी के अधिकारियों के बारे में गप्प–शप छपते थे। इसके लिये गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स ने हिकी को सजा भी दी। उसके बाद सरकार की छवि ठीक करने के उद्देश्य से वारेन हेस्टिंग्स ने सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अखबारों को प्रोत्साहन दिया।

राजा राममोहन रॉय के करीबी रहे गंगाधर भट्टाचार्य ने बंगाल गैजेट के नाम से पहला भारतीय अखबार निकालना शुरु किया।

मुद्रण संस्कृति ने भारत में धार्मिक, सामाजिक और राजनैतिक मुद्दों पर बहस शुरु करने में मदद की। शुरु में धार्मिक किताबों की बाढ़ सी आ गई जिससे लोगों को धर्म के बारे में बेहतर जानकारी मिलने लगी। इससे प्रभावित होकर लोग कई धार्मिक रिवाजों के प्रचलन की आलोचना करने लगे। 1821 से राममोहन राय ने संबाद कौमुदी प्रकाशित करना शुरु किया, जिसमें हिंदू धर्म के रूढ़िवादी विचारों की आलोचना होती थी। हिंदू रूढ़िवादियों ने ऐसी आलोचना को काटने के लिए समाचार चंद्रिका नामक पत्रिका निकालना शुरु किया।

मुद्रण संस्कृति ने भारत में धार्मिक, सामाजिक और राजनैतिक मुद्दों पर बहस शुरु करने में मदद की। शुरु में धार्मिक किताबों की बाढ़ सी आ गई जिससे लोगों को धर्म के बारे में बेहतर जानकारी मिलने लगी। इससे प्रभावित होकर लोग कई धार्मिक रिवाजों के प्रचलन की आलोचना करने लगे। 1821 से राममोहन राय ने संबाद कौमुदी प्रकाशित करना शुरु किया, जिसमें हिंदू धर्म के रूढ़िवादी विचारों की आलोचना होती थी। हिंदू रूढ़िवादियों ने ऐसी आलोचना को काटने के लिए समाचार चंद्रिका नामक पत्रिका निकालना शुरु किया। 1822 में फारसी में दो अखबार शुरु हुए जिनके नाम थे जाम–ए–जहाँ–नामा और शम्सुल अखबार। उसी साल एक गुजराती अखबार भी शुरु हुआ जिसका नाम था बम्बई समाचार।

उत्तरी भारत के उलेमाओं ने सस्ते लिथोग्राफी प्रेस का इस्तेमाल करते हुए धर्मग्रंथों के उर्दू और फारसी अनुवाद छापने शुरु किये। उन्होंने धार्मिक अखबार और गुटके भी निकाले। देवबंद सेमिनरी की स्थापना 1867 में हुई, जिसने एक मुसलमान के जीवन में सही आचार विचार को लेकर हजारों हजार फतवे छापने शुरु किये।

1810 में कलकत्ता में तुलसीदास द्वारा लिखित रामचरितमानस को छापा गया। 1880 के दशक से लखनऊ के नवल किशोर प्रेस और बम्बई के श्री वेंकटेश्वर प्रेस ने आम बोलचाल की भाषाओं में धार्मिक ग्रंथों को छापना शुरु किया।

प्रकाशन के नये रूप

यूरोप से लेखन की नई विधा उपन्यास का आगमन हो चुका था। उपन्यास अपने पाठकों को एक अलग दुनिया में ले जाती थी। शुरु में यूरोपीय लेखकों के उपन्यास ही भारतीय पाठकों को मिलते थे। वे उपन्यास यूरोपीय परिवेश और संस्कृति पर आधारित होते थे। ऐसे उपन्यासों से अधिकतर पाठक तारतम्य नहीं बिठा पाते थे। समय बीतने के साथ भारतीय परिवेश और संस्कृति पर आधारित उपन्यास लिखे जाने लगे जिनके चरित्रों और भावों को यहाँ के पाठक बेहतर समझ पाते थे। लेखन की नई नई विधाएँ भी सामने आने लगींय जैसे कि गीत, लघु कहानियाँ, राजनैतिक और सामाजिक मुद्दों पर निबंध, आदि।

उन्नीसवीं सदी के अंत तक एक नई तरह की दृश्य संस्कृति रूप ले रही थी। मुद्रण के द्वारा चित्रों की नकलें भारी संख्या में छपने लगीं। मशहूर चित्रकार राजा रवि वर्मा अपनी पेंटिंग की प्रिंट कॉपी भी निकालने लगे। इससे आम आदमी भी तसवीरें खरीदकर अपने घरों को सजा सकता था।

1870 के दशक में पत्रिकाओं और अखबारों में व्यंग्यचित्र या कार्टून भी छपने लगे जिनके माध्यम से तत्कालीन सामाजिक और राजनैतिक मुद्दों पर कटाक्ष किये जाते थे।

प्रिंटिंग उद्योग और महिलाएँ

महिलाओं की स्थिति खराब थी और उन्हें कई काम करने की मनाही थी। महिलाओं के जीवन और संवेदनाओं पर कई लेखकों ने लिखना शुरु किया, जिससे मध्यम वर्ग की महिलाओं में पढ़ने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी। कई उदारवादी पुरुषों ने महिला शिक्षा पर बल देना शुरु किया। कुछ उदारवादी पुरुष अपने घर की महिलाओं के लिए घर में शिक्षा की व्यवस्था करवाते थे। रुढ़िवादी हिंदू और मुसलमान स्त्री शिक्षा के धुर विरोधी थे। ऐसे लोगों को लगता था कि शिक्षा से लड़कियों के दिमाग पर बुरा असर पड़ेगा। ऐसे लोग अपनी बेटियों को धार्मिक ग्रंथ पढ़ने की अनुमति तो देते थे लेकिन अन्य साहित्य पढ़ने से मना करते थे। उन्नीसवीं सदी में मद्रास के शहरों में सस्ती और छोटी किताबें आ चुकी थीं, जिन्हें चौराहों पर बेचा जाता था ताकि गरीब लोग भी उन्हें खरीद सकें। बीसवीं सदी की शुरुआत से सार्वजनिक पुस्तकालयों की स्थापना के परिणामस्वरूप लोगों तक किताबों की पहुँच बढ़ने लगी। कई अमीर लोग अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने के उद्देश्य से पुस्तकालय बनाने लगे।

प्रिंटिंग और सेंसर

1798 के पहले तक उपनिवेशी शासक सेंसर को लेकर बहुत गंभीर नहीं थे। शुरु में जो भी थोड़े बहुत नियंत्रण लगाये जाते थे वे भारत में रहने वाले उन अंग्रेजों पर लगाये जाते थे जो कम्पनी के कुशासन की आलोचना करते थे। 1857 के विद्रोह के बाद अंग्रेजी शासकों का रवैया बदलने लगा। आइरिस प्रेस ऐक्ट की तर्ज पर भारत में 1878 में वर्नाकुलर प्रेस ऐक्ट पारित किया गया। इस कानून के अनुसार सरकार समाचार और संपादकीय पर सेंसर लगा सकती थी। यदि कोई अखबार सरकार के खिलाफ लिखता तो उसे पहले चेतावनी दी जाती थी। यदि चेतावनी का असर नहीं होता था तो प्रेस को बंद कर दिया जाता था और प्रिंटिंग प्रेस को जब्त कर लिया जाता था।

DDM GRAPHIC
www.ddmgraphic.in
EUROPE'S BEST USED
OFFSET & BINDING MACHINES
HEIDELBERG MITSUBISHI HEAVY INDUSTRIES, LTD. RYOBI KBA KOMORI
294, Patpar Ganj Indl. Area, Delhi-92. Mobile: 9871155294, 9311611152
+91-11-35683917, Email: d.d.m.graphic@gmail.com
+91-11-35683917 E-mail:vksb23@gmail.com

Printed at Print Link, Loni, Ghaziabad - 201103